सीआईएमपी में इसी सत्र से डॉक्टरेट लेवल रिसर्च प्रोग्राम

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) को वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने पूर्णकालिक डॉक्टरेट स्तर शोध कार्यक्रम फैलोशिप प्रोग्राम मैनेजमेंट (एफपीएम) को स्वीकृति दी है। एआईसीटीई ने 20 सीटों के साथ सीआईएमपी के एफपीएम कार्यक्रम को मंजूरी दी है।

गुरुवार को प्रेसवार्ता में सीआईएमपी के निदेशक प्रो. वी. मुकुंद दास ने बताया कि प्रबंधन अनुसंधान पारिस्थितिक तंत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करने के लिए एफपीएम अनुमोदन प्राप्त करना हमारे लिए एक शानदार अवसर है। 120 सीटों के पीजीडीएम का 11वां बैच गुरुवार से शुरू हो गया। हर 60 छात्रों के दो डिवीजन होंगे। पहली तिमाही की शुरुआत से पहले दो सप्ताह का इंडक्शन प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के फैकल्टी डॉ. प्रसाद सुंदररजन और डॉ. वी. मुकुंद दास की लिखित "द मेंटल ब्लॉक्स ऑफ कॉरपोरेट इंडिया" नामक किताब के रिलीज की भी घोषणा की गई। किताब बताती है कि लोग मानसिक जाल में खुद को कैसे संलग्न करते हैं। इससे बचने के तरीके पर भी बात की गई है।

Dainik Bhaskar
Page.NO-08
Dated:15-06-2018

सीआइएमपी को मैनेजमेंट फेलोशिप की मिली स्वीकृति

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) को फुल टाइम डॉक्टोरल लेवल रिसर्च प्रोग्राम (फैलोशिप प्रोग्राम इन मैनेजमेंट) की स्वीकृति मिल गई है। निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने गुरुवार को बताया कि देश के चुनिंदा आइआइएम में ही इस प्रोग्राम की स्वीकृति है। वर्तमान एकेडमिक इयर के तहत इस प्रोग्राम में नामांकन लिया जायेगा। कैट स्कोर हासिल करने वाले छात्र इस प्रोग्राम में नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं। अभी इस प्रोग्राम के लिए 20 सीटों पर नामांकन लिया जायेगा। नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडेशन से एक्रिडेटेड तथा एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज से रिकोनाइज्ड है।

Dainik Jagran
Page.No-04
Dated:15-06-2018

आईआईटी पटना में 28 से होगी काउंसिलिंग

पटना। जेईई एडवांस में सफल छात्र नामांकन के लिए आईआईटी पटना में 28 से रिपोर्टिंग कर सकेंगे। आईआईटी पटना में सीट आवंटन को लेकर उसी दिन से काउंसिलिंग शुरू होगी। काउंसिलिंग 19 जुलाई तक चलेगी। आईआईटी पटना के संयोजक प्रलय दास ने बताया कि जिन बच्चों का चयन बाहर के आईआईटी के लिए होगा वे भी पटना में रिपोर्टिंग कर प्रमाणपत्र व अन्य जरूरी कागजातों की जांच करा सकते हैं। पटना में पिछले वर्ष 800 छात्रों ने रिपोर्टिंग की थी। उन्होंने कट ऑफ मार्क्स कम करने के आईआईटी प्रशासन के निर्णय का स्वागत किया और कहा कि इससे सीटें खाली रहने की संभावना कम होगी।

Hindustan Yuva
Page.NO-03
Dated:15-06-2018

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में शोध के लिए खुले दरवाजे

पटना | कार्यालय संवाददाता

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट संस्थान (सीआईएमपी), पटना को वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से चार साल के पूर्णकालिक डॉक्टोरेट शोध कार्यक्रम, फेलोशिप प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एफपीएम) की स्वीकृति मिल गई है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने 20 सीटों के लिए सीआईएमपी को एफपीएम कार्यक्रम संचालन की मंजूरी दी है।

संस्थान के निदेशक डॉ. वी मुकुंदा दास ने बताया कि बिहार के छात्रों के लिए यह सुनहरा अवसर है। एफपीएम के पीएचडी कार्यक्रम में कैट के स्कोर के आधार पर नामांकन होगा। छात्र 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। फार्म संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। साक्षात्कार 10 जुलाई को होगा।

पुस्तक का हुआ विमोचनः डॉ. प्रसाद सुंदरजन और डॉ. वी मुकुंदा दास द्वारा लिखित 'द 9 मेंटल ट्रैप्स ऑफ कॉर्पोरेट इंडिया' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। वहीं दो सप्ताह के इंडक्शन प्रोग्राम के साथ पीजीडीएम के 11वें बैच की शुरुआत गुरुवार से हुई। कुल 120 सीटों के लिए नामांकन हुआ है।

Hindustan (Hindi) ! Page.NO-04
Dated:15-06-2018

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट को मिली एफपीएम प्रोग्राम की स्वीकृति

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) को फुल टाइम डॉक्टोरल लेवल रिसर्च प्रोग्राम (फैलोशिप प्रोग्राम इन मैनेजमेंट) की स्वीकृति मिल गयी है. यह जानकारी संस्थान के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने गुरुवार को संस्थान में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. उन्होंने बताया कि देश के चुनिंदा आईआईएम्स में ही इस प्रोग्राम की स्वीकृति है. प्रोग्राम की स्वीकृति मिलने के बाद सीआईएमपी देश के उन चुनिंदा संस्थानों में शामिल हो गया है जहां इस प्रोग्राम की स्टडी होती है. इस मौके पर डॉक्टर प्रसाद सुंदर राजन व प्रो कल्याण प्रसाद अग्रवाल भी उपस्थित थे.

20 सीटों पर होगा नामांकन : डॉ दास ने बताया कि वर्तमान एकेडमिक इयर के तहत इस प्रोग्राम में नामांकन लिया जायेगा. कैट स्कोर हासिल करने वाले छात्र इस प्रोग्राम में नामांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं. जिनका पर्सनल इंटरव्यू होने के बाद चयन होगा. अभी इस प्रोग्राम के लिए 20 सीटों पर नामांकन लिया जायेगा. फ्लैगशिप प्रोग्राम पीजीडीएम पहले ही एआईसीटीई से पहले ही अप्रूव्ड है. यह नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडेशन से एक्रिडेटेड तथा एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज से रिकॉग्नाइज्ड है. पीजीडीएम कोर्स एमबीए के समतुल्य है. डॉ दास ने कहा कि एफपीएम के लिए प्रस्ताव को पहले सिक्योरिटी एंड एक्सपर्ट कमेटी के पास भेजा गया था. जिसके बाद एआईसीटीई की एक्जीक्यूटिव काउंसिल की मीटिंग में प्रोग्राम की स्वीकृति मिली.

Prabhat Khabar ! Page.No- 05 ! Dated:15-06-2018

सीआईएमपी को मिली एफपीएम की मान्यता

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

पटना।

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआईएमपी) को ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने पूर्णकालिक डॉक्टरल स्तर का रिसर्च प्रोग्राम 'फेलोशिप प्रोग्राम इन मैनेजमेंट' (एफपीएम) वर्तमान एकेडमिक सत्र 2018-19 से शुरू करने की

एआईसीटीई ने सीआईएमपी को 20 सीटों पर नामांकन लेने की दी है अनुमति

अनुमति दे दी है। ये बातें सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि एफपीएम के लिए अनुमति मिलने के साथ ही सीआईएमपी में डॉक्टरल स्तर के प्रोग्राम का रास्ता खुल गया है। अब यहां रिसर्च भी हो सकेगा। एफपीएम के लिए तय सभी मानकों की विस्तृत विवेचना करते हुए एआईसीटीई ने सीआईएमपी को 20 (सर्वाधिक) सीटों पर नामांकन लेने की अनुमति दी है।

गौरतलब है कि एफपीएम के लिए 20 सीट किसी भी संस्थान के लिए अधिकतम सीट होता है। एआईसीटीई एफपीएम के लिए इतने ही सीटों की अनुमति देता है। एआईसीटीई एफपीएम चलाने की अनुमति देने से पहले यह तय करता है कि जिस संस्थान को अनुमति दी जा रही है वह उच्च गुणवत्ता वाला हो। वहीं नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडिटेशन (एनबीटी) से मूल्यांकित होने के साथ एआईसीटीई से भी मान्यताप्राप्त भी हो। जानकारी के मुताबिक सीआईएमपी के एफपीएम शुरू करने का प्रस्ताव स्क्रूटनी और विशेषज्ञ कमिटी के समक्ष रखा गया था। बाद एआईसीटीई की कार्यकारी समिति की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सीआईएमपी देश में एक मात्र सरकारी संस्थान है, जो एमबीए के बराबर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेमेंट प्रोग्राम कराता है। यह संस्थान एआईयू द्वारा भी चिन्हित है। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंदा दास ने बताया कि एमपीएफ की अनुमति मिलते ही हमें रिसर्च के क्षेत्र अपनी धमकदार उपस्थिति दर्ज कराने का मौका मिल गया है।

संवाददाताओं से बातचीत करते सीआईएमपी के निदेशक वी मुकुंद दास, साथ में हैं अन्य।

उन्होंने कहा कि सीआईएमपी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में संस्थान लगातार आगे बढ़ रहा है। सीआईएमपी में पीजीडीएम का 11वां बैच 120 विद्यार्थियों के साथ शुरू हो गया। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को 60-60 के दो भागों में बांटा गया है। दो सप्ताह का इंट्रोडक्शन प्रोग्राम चलेगा। उसके बाद पहला ट्राइमेस्टर शुरू होगा। उन्होंने बताय कि संस्थान शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी काफी काम कर रहा है। संस्थान में गरीब बच्चों को निःशुल्क अंग्रेजी और कम्प्यूटर का ज्ञान दिया जा रहा है। संस्थान में पढ़ने वाले एससी-एसटी छात्रों के लिए अलग से निःशुल्क कोचिंग की सुविधा है। यह पहला संस्थान है जहां एससी, एसटी और ओबीसी के लिए पचास प्रतिशत आरक्षण है। यह सब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरदर्शिता का प्रतिफल है। संस्थान में पढ़ने वाले सभी छात्रों को सौ प्रतिशत प्लेसमेंट दिया जाता है। इस अवसर पर एक किताब 'द 9 मेंटल ब्लॉक्स ऑफ करपोरेट इंडिया' के विमोचन की भी घोषणा की गई। यह किताब डॉ. प्रसाद सुंदराजन और सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी. मुकुंद दास द्वारा लिखा गया है।

Rashtriya Sahara ! Page.No-07
Dated:15-06-2018